SYLLABUS

2015-16

PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY

RAIPUR

CHHATTISGARH

SYLLABUS FOR **2015-16**

एम.ए. पूर्वाध्द–राजनीति विज्ञान प्रथम सेमेस्टर में निम्नांकित 04 प्रश्न पत्र होंगे :–

1 राजनीतिक चिंतन

2 भारतीय शासन व राजनीति

3 तुलनात्मक राजनीति

4 अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

एम.ए. पूर्वाध्द–राजनीति विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर में निम्नांकित 04 प्रश्न पत्र होंगे :–

1 पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन

2 भारतीय शासन में राज्यों की राजनीति

3 विकासशील देशों की राजनीति, तुलनात्मक राजनीति

4 अन्तर्राष्ट्रीय कानून

एम.ए. उत्तर्राध्द–राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर में निम्नांकित 04 प्रश्न पत्र होंगे :–

1 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिध्दांत

2 लोकप्रशासन

3 शोध प्रविधि

4 प्रमुख शक्तियों की विदेश नीति एवं भारतीय विदेश नीति

एम.ए. उत्तर्राध्द–राजनीति विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर में निम्नलिखित विषय होंगे :–

1 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिध्दांत

2 लोकप्रशासन

3 शोध प्रविधि

4 प्रमुख शक्तियों की विदेश नीति एवं भारतीय विदेश नीति

नियमावली –

1 उपर्युक्त समस्त प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे।

2 प्रत्येक प्रश्नपत्र में (सभी सेमेस्टर में) सैध्दांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक का होगा तथा 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के होंगे।

3 आंतिरिक मूल्यांकन की कम से कम दो परीक्षाएं होंगी जिसमें से एक आंतरिक मूल्यांकन के सर्वोच्च अंक विश्वविद्यालय को भेजे जावेगें।

4 एम.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के पूर्णांक 400 अंको का होगा और चतुर्थ सेमेस्टर का पूर्णांक 500 अंको का होगा।

5 एम.ए. चतुर्थ में 100 अंकों की मौखिक परीक्षा होगी, जिसमें 50 अंक मौखिक परीक्षा एवं 50 अंक का प्रेक्टिकल कार्य होगा।

6 इस प्रकार एम.ए. राजनीति विज्ञान (सेमेस्टर प्रणाली में) पूर्णांक 1700 का होगा।

7 संपूर्ण पाठ्यक्रम 04–04 इकाईयों में विभक्त होंगे।

अमहाविद्यालयीन छात्र–छात्राओं के लिए एम.ए.राजनीति विज्ञान में निम्नलिखित प्रश्नपत्र का निर्धारण किया जाता है –

एम.ए. पूर्वाध्द – राजनीति विज्ञान (अमहाविद्यालयीन) के विषय –

1 राजनीतिक चिंतन

2 भारतीय शासन एवं राजनीति

3 तुलनात्मक राजनीति

4 अंतर्राष्ट्रीय संगठन एवं कानून

एम.ए. उत्तर्राध्द – राजनीति विज्ञान (अमहाविद्यालयीन) के विषय –

1 अंतर्राष्ट्रीय राजनीति

2 लोक प्रशासन

3 शोध प्रविधि

4 प्रमुख शक्तियों की विदेश नीति एवं भारतीय विदेश नीति

5 अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में तृतीय विश्व व मानवाधिकार

नियमावली –

1 एम.ए. पूर्वाध्द में 04 प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे।

2 एम.ए. पूर्वाध्द में पूर्णांक 400 अंको का होगा।

3 एम.ए. उत्तर्राध्द में कुल 05 प्रश्नपत्र अनिवार्य होगें।

4 एम.ए. उत्तरार्ध्द में पूर्णांक 500 अंको का होगा।

5 इस प्रकार एम.ए. राजनीति विज्ञान (अमहाविद्यालयीन) में पूर्णांक 900 अंको का होगा।

6 संपूर्ण पाठ्यक्रम 05–05 इकाईयों में विभक्त होगा।

एम.ए. पूर्वाध्द–राजनीति विज्ञान प्रथम सेमेस्टर

1 राजनीतिक चिंतन :–

इकाई 1 – मनु, कौटिलय, गांधी एवं अम्बेडकर।

इकाई 2 – प्लेटो, अरस्तु, मैकियावेली।

इकाई 3 – हॉब्स, लॉक एवं रूसो।

इकाई 4 – बेन्थम, जे.एस.मिल।

2 भारतीय भाासन व राजनीति :–

इकाई 1 – संविधान सभा की पृष्ठभूमि–संगठन (संरचना) एवं कार्यप्रणाली। वैचारिक आधार प्रस्तावना।

इकाई 2 – मौलिक अधिकार मौलिक कर्तव्य एवं राज्य के नीति निदेशक सिध्दांत। संशोधन प्रकिया।

इकाई 3 – संघीय सरकार–राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रीपरिषद।

इकाई 4 – सर्वोच्च न्यायालय एवं न्यायिक पुनरीक्षण, न्यायिक सकियतावाद। दल पध्दति की प्रकृति–राष्ट्रपति एवं क्षेत्रीय दल दबाव समूह।

3 तुलनात्मक राजनीति :–

इकाई 1 – राजनीति व्यवस्था के अध्ययन में तुलनात्मक पध्दति। तुलनात्मक राजनीति का अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र।

इकाई 2 – राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा।

इकाई 3 – तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के विविध उपागम–परम्परागत, मार्कसवादी, निवेश–निर्गत, संरचनात्मक–प्रेकार्यात्मक।

इकाई 4 – राजनीतिक संस्कृति एवं राजनीतिक समाजीकरण। राजनीतिक संचार।

4 अन्तर्राश्ट्रीय संगठन :–

इकाई 1 – अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों की प्रकृति एवं विकास। अन्तर्राष्ट्रीय संगठन–राष्ट्र–राज्य एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था का समन्वय।

इकाई 2 – राष्ट्रसंघ (लीग ऑफनेंशन्स)–उत्पत्ति, संरचना, कार्य एवं असफलता।

इकाई 3 – संयुक्त राष्ट्र–संरचना एवं कार्य। विवादों का शांतिपूर्ण समाधान एवं बाध्यकारी उपाय। अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय। आर्थिक एवं सामाजिक विकास में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका।

इकाई 4 – उत्तर शीत युध्द काल और संयुक्त राष्ट्र। अन्तर्राष्ट्रीय कानून–प्रकृति, क्षेत्र, विकास, स्त्रोत एवं संहिताकरण। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कानून।

एम.ए. पूर्वाध्द–राजनीति विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर

1 पा□ चात्य राजनीतिक चिंतनः–

इकाई 1 – मार्क्स, लासकी।

इकाई 2 – बहुलवाद, हीगल, ग्रीन।

इकाई 3 – परम्परागत, राजनीतिक सिध्दांत एवं आधुनिक राजनीतिक सिध्दांत की विशेषताऐं।

इकाई 4 – व्यवहारिकवाद एवं उत्तर व्यवहारिकवाद।

2 भारतीय भाासन में राज्यों की राजनीति :–

इकाई 1 – निर्वाचन आयोग। संघ लोक सेवा आयोग।

इकाई 2 – संघवाद तथा केन्द्र राज्य संबंध राज्यपाल। मुख्यमंत्री एवं मंत्रीमंडल। विधान मण्डल। राष्ट्रीय राजनीति का राज्य राजनीति पर प्रभाव।

इकाई 3 – राज्यों की स्वायत्ता की मांग। गठबंधन की राजनीति।

इकाई 4 – दलबदल की राजनीति भारतीय राजनीति में जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा का प्रभाव।

3 विकास□ ील दे□ ों की राजनीति, तुलनात्मक राजनीत्ति

इकाई 1 – राजनीतिक विकास। राजनीतिक अभिजन। सरका का वर्गीकरण एकात्मक व संघात्मक, संसदीय व अध्यक्षात्मक।

इकाई 2 – नौकरशाही–संरचना, कार्य व भूमिका। राजनीतिक दल, दबाव समूह।

इकाई 3 – राजनीतिक संस्थाएं–व्यवस्थापिका–संरचना, कार्य व भूमिका। कार्यपालिका संरचना, कार्य व भूमिका।

इकाई 4 – न्यायपालिका–न्यायिक पुनरीक्षण। शक्ति पृथककरण अवरोध एवं संतुलन।

4 अन्तर्राश्ट्रीय कानून :–

इकाई 1 – अन्तर्राष्ट्रीय कानून एवं राज्य उत्तराधिकार एवं मान्यता। राज्यों के अधिकार एवं कर्तव्य। क्षेत्राधिकार। समानता एवं आत्मरक्षा। समुद्री कानून।

इकाई 2 – युध्द परिभाषा प्रकृति लक्षण, घोषणा, प्रभाव। स्थल युध्द, समुद्री युध्द एवं वायु युध्द के नियम। आणविक युध्द। अधिग्रहण न्यायालय, युध्द की समाप्ति, शांति संधि तथा पूर्वावस्था। युध्द अपराध, युध्दाबंदी एवं दण्ड।

इकाई 3 – तटस्था–परिभाषा, प्रकार, लक्षण, तटस्थ। राज्यों के अधिकार एवं कर्तव्य। नौजित माल न्यायालय, नाकाबंदी। अन्तर्राष्ट्रीय संधि–दायित्व। राजनीतिक अन्मुक्तियॉ एवं विशेषाधिकार।

इकाई 4 – अन्तर्राष्ट्रीय कानून एवं आर्थिक विकास–तृतीय विश्व के संदर्भ में। मानवता के विरूध्द अपराध एवं अन्तर्राष्ट्रीय कानून के प्रावधान। अन्तर्राष्ट्रीय कानून की सीमायें एवं सम्भावनायें।

एम.ए. उत्तरांध्द–राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर

1 अन्तर्राशट्रीय राजनीति के सिध्दांत :–

इकाई 1 – अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का विषय के रूप में विकास–प्रकृति एवं क्षेत्र। अध्ययन पध्दति–परम्परागत एवं वैज्ञानिक।

इकाई 2 – अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिध्दांत–(वृहत) यथार्थवाद, आदर्शवाद, साम्यावस्था, निर्णय, निर्माण, खेल, संचार, व्यवस्था सिध्दांत।

इकाई 3 – शक्ति संकल्पना–तत्व एवं सीमाऐं। शक्ति प्रबंधन–शक्ति संतुलन। सामूहिक सुरक्षा। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्रीय हित।

इकाई 4 – निःशस्त्रीकरण। परमाणु अप्रसार–सीटीबीटी, एनपीटी। क्षेत्रवाद, क्षेत्रीय संगठन। साम्राज्यवाद, नवसाम्राज्यवाद।

2 लोकप्र□ ासन :–

इकाई 1 – लोकप्रशासनः परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, निजी प्रशासन से अंतर। अध्ययन के उपागम–व्यावहारिकवादी, तुलनात्मक, निर्णयपरका विकास–प्रशासन एवं नवीन प्रशासन।

इकाई 2 – संगठन के सिध्दांतः नियंत्रण का क्षेत्र, पदसोपान, प्रत्यायोजन, समन्वय।

इकाई 3 – केन्द्रीयकरण, विकेन्द्रीयकरण, मुख्य कार्यपालिका–प्रकार एवं भूमिका, सूत्र एवं स्टाफ अभिकरण, विभागीय संगठन, स्वतंत्र नियामिकीय आयोग।

इकाई 4 – लोक निगम। भर्ती, पदोन्नति, प्रशिक्षण, सेवानिवृत्ति, संघ लोक सेवा आयोग, नौकरशाही।

3 भोध प्रविधि :–

इकाई 1 – सामाजिक अनुसंधान : अर्थ एवं प्रकृति, वैज्ञानिक पध्दति।

इकाई 2 – वैज्ञानिक पध्दति एवं सामाजिक विज्ञानों के उपयुक्तता, सामाजिक विज्ञान में अध्ययन की कठिनाईयॉ, शोध के कारण।

इकाई 3 – सामाजिक सर्वेक्षण : उद्देश्य, महत्व, प्रकिया, व्यक्तिगत अध्ययन पध्दति, अनुसंधान, अभिकल्प, उपकल्पना, तत्वों के प्राथमिक एवं द्वितीयक स्त्रोंत।

इकाई 4 – अवलोकन पध्दति, साक्षात्कार पध्दति।

4 प्रमुख भाक्तियों की विदे□ ा नीति एवं भारतीय विदे□ ा नीति :–

इकाई 1 – विदेश नीति– अर्थ एवं निर्धारक तत्व। विदेश नीति के अध्ययन के उपागम।

इकाई 2 – अमेरिका की विदेश नीति।

इकाई 3 – ब्रिटेन एवं फ्रांस की विदेश नीति। सोवियत संघ/रूस की विदेश नीति चीन की विदेश नीति।

इकाई 4 – जर्मनी एवं जापान की विदेश नीति।

एम.ए. उत्तरार्ध्द–राजनीति विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर

1 अन्तर्राश्ट्रीय राजनीति के सिध्दांत (समकालीन मुद्दे) :–

इकाई 1 – अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में असंलग्नता–आधार, भूमिका, महत्व एवं प्रासंगिकता।

इकाई 2 – शीतयुध्द एवं शीतयुध्द की समाप्ति–कारण एवं परिणाम। नई विश्व व्यवस्था।

इकाई 3 – उत्तर शीतयुध्द कालीन महत्वपूर्ण मुद्दे–वैश्वीकरण, मानवाधिकार, पर्यावरण, आतंकवाद।

इकाई 4 – प्रमुख राष्ट्रों की विदेश नीतियों–भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, रूस।

2 लोकप्र□ ाासनके (स्थानीय स्वायत्त भाासन) :–

इकाई 1 – कर्मिकों की समस्याओं के निवारण की व्यवस्था (भारतीय प्रशासन के विशेष संदर्भ में)।

इकाई 2 – वित्तीय प्रशासन : अर्थ, प्रकृति, विशेषताएं। बजट–सिध्दांत एवं महत्व, भारत में बजट निर्माण प्रक्रिया, कार्यपालिका, व्यवस्थापिका, न्यायपालिका एवं जनसमूह का प्रशासन पर नियंत्रण।

इकाई 3 – प्रशासकीय उत्तरदायित्व : लोक प्रशासन पार विधायी नियंत्रण, न्यायिक नियंत्रण तथा निष्पादकीय नियंत्रण।

इकाई 4 – लोक प्रशासन में भ्रष्टाचार आम्बुड्समैन, लोकपाल, लोकायुक्त एवं लोक संपर्क। स्थानीय स्वायतशासीय संस्थाओं की भूमिका भ्रष्टाचार एवं लो संपर्क।

3 भाोध प्रविधि :–

इकाई 1 – प्रश्नावली एवं अनुसूची प्रश्नवली के प्रकार, गुण–दोष, सीमाएं।

इकाई 2 – निर्देश एवं प्रकार सारणीयन, प्रतिवेदन लेखन, अनुमापन, प्रविधियॉ अनुसंधान दल, अनुसंधान की समस्याएं, प्रक्षेपी प्रविधियॉ।

इकाई 3 – राजनीति विज्ञान में सांख्यिकी की उपयोगिता एवं सीमाएॅः मीन, मोड, मीडियन।

इकाई 4 – कम्प्यूटर का उपयोग एवं संकेतना।

4 प्रमुख भाक्तियों की विदे ा नीतिएवं भारतीय विदे ा नीति :–

इकाई 1 – भारतीय विदेश नीति– सिध्दांत एवं उद्देश्य। भारत की विदेश नीति के आंतरिक निर्धारक–भूगोल, इतिहास, संस्कृति, सामाजिक–आर्थिक एवं राजनीतिक व्यवस्था।

इकाई 2 – बाह्य निर्धारक–वैश्विक, क्षेत्रीय एवं द्विपक्षीय। विदेश नीति निर्माण प्रक्रिया की संरचना। भारतीय विदेश नीति में नैरन्तर्य एवं परिवर्तन।

इकाई 3 – भारतीय विदेश नीति–तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में। पडोसी देशों के प्रति भारतीय नीति। प्रमुख वैश्विक मुद्दों के प्रति भारतीय दृष्टिकोण–वैश्वीकरण।

इकाई 4 – निःशस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियंत्रण, सीमा पार आतंकवाद, पर्यावरण एवं मानव अधिकारों का प्रश्न।

एम.ए. पूर्वाध्द – राजनीति विज्ञान (अमहाविद्यालयीन) के विशय –

1 राजनीतिक चिंतन

इकाई 1 मनु, कौटिल्य, गांधी एवं अम्बेडकर।

इकाई 2 प्लेटो, अरस्तु, मैकियावेली, हॉब्स, लॉक एवं रूसो।

इकाई 3 बेन्थम, जे.एस.मिल, हीगल, ग्रीन।

इकाई 4 मार्क्स, लास्की एवं बहुलवाद।

इकाई 5 परम्परागत राजनीतिक सिध्दान्त एवं आधुनिक राजनीतिक सिध्दांत की विशेषताएॅं। व्यावहारिकवाद एवं उत्तर व्यवहारिकवाद।

2 भारतीय भाासन एवं राजनीति

इकाई 1 संविधान सभा की पृष्ठभूमि–संगठन (संरचना) एवं कार्यप्रणाली। वैचारिक आधार–प्रस्तावना, मौलिक अधिकार मौलिक कर्तव्य एवं राज्य के नीति निदेशक सिध्दांत। संशोधन प्रकिया।

इकाई 2 संघीय सरकार–राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रि परिषद एवं संसद, सर्वोच्च न्यायालय एवं न्यायिक पुनरीक्षण, न्यायिक सक्रियतावाद।

इकाई 3 दल पध्दति की प्रकृति। राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दल। दबाव समूह। निर्वाचन आयोग। संघ लोक सेवा आयोग।

इकाई 4 संघवाद तथा राज्य केन्द्र राज्य संबंध। राज्यपाल। मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमंडल विधान मंडल। राष्ट्रीय राजनीति का राज्य राजनीति पर प्रभाव।

इकाई 5 राज्यों की स्वायत्तता की मांग। गठबंधन की राजनीति। दलबदल की राजनीति भारतीय राजनीति में जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा का प्रभाव।

3 तुलनात्मक राजनीति

इकाई 1 राजनीति व्यवस्था के अध्ययन में तुलनात्मक पध्दति। तुलनात्मक राजनीति का अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र। राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा।

इकाई 2 तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के विविध उपागम – परम्परागत, मार्क्सवादी, निवेश–निर्गत, संरचनात्मक प्रेकार्यात्मक।

इकाई 3 राजनीतिक संस्कृति एवं राजनीतिक समाजीकरण। राजनीतिक संचार। राजनीतिक विकास। राजनीतिक अभिजन।

इकाई 4 सरकार का वर्गीकरण–एकात्मक व संघात्मक, संसदीय व अध्यक्षात्मक। नौकरशाही– संरचना, कार्य व भूमिका। राजनीतिक दल, दबाव समूह।

इकाई 5 राजनीतिक संस्थाएं–व्यवथापिका–संरचना, कार्य व भूमिका। कार्यपालिका–संरचना, कार्य व भूमिका। न्यायपालिका–न्यायिक पुनरीक्षण। शक्ति पृथक्करण। अवरोध एवं संतुलन।

4 अंतर्राश्ट्रीय संगठन एवं कानून

इकाई 1 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की प्रकृति एवं विकास। अन्तर्राष्ट्रीय संगठन– राष्ट्र राज्य एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था का समन्वय। राष्ट्रसंघ (लीग ऑफ नेशन्स) उत्पत्ति, संरचना, कार्य एवं असफलता।

इकाई 2 संयुक्त राष्ट्र–संरचना एवं कार्य। विवादों का शांतिपूर्ण समाधान एवं बाध्यकारी उपाय। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय। आर्थिक एवं सामाजिक विकास में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका। उत्तर शीत युध्द काल और संयुक्त राष्ट्र।

इकाई 3 अंतर्राष्ट्रीय कानून–प्रकृति, क्षेत्र, विकास, स्त्रोत एवं संहिताकरण। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कानून। अंतर्राष्ट्रीय कानून एवं राज्य उत्तराधिकार एवं मान्यता। राज्यों के अधिकार एवं कर्तव्य। क्षेत्राधिकार। समानता एवं आत्मरक्षा। समुद्री कानून।

इकाई 4 युध्द–परिभाषा, प्रकृति लक्षण, घोषणा, प्रभाव। स्थल युध्द, समुद्री युध्द एवं वायु युध्द के नियम। आणविक युध्द। अधिग्रहण न्यायालय। युध्द की समाप्ति शांति संधि तथा पूर्वावस्था। युध्द अपराध, युध्दबन्दी एवं दण्ड।

इकाई 5 तटस्थता–परिभाषा, प्रकार, लक्षण तटस्थ। राज्यों के अधिकार एवं कर्तव्य। नौजित माल न्यायालय, नाकाबंदी। अन्तर्राष्ट्रीय संधि–दायित्व। राजनयिक उन्मुक्तियां एवं विशेषाधिकार। अंतर्राष्ट्रीय कानून एवं आर्थिक विकास– तृतीय विश्व के संदर्भ में। मानवता के विरूध्द अपराध एवं अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रावधान। अंतर्राष्ट्रीय कानून की सीमायें एवं सम्भावनायें।

एम.ए. उत्तरार्ध्द – राजनीति विज्ञान (अमहाविद्यालयीन) के विशय –

1 अंतर्राशट्रीय राजनीति

इकाई 1 अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का विषय के रूप में विकास–प्रकृति एवं क्षेत्र। अध्ययन पध्दतियॉ–परम्परागत एवं वैज्ञानिक। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिध्दांत–वृहत यथार्थवाद, आदर्शवाद, साम्यावस्था, निर्णय निर्माण, खेल, संचार, व्यवस्था सिध्दांत।

इकाई 2 शक्ति संकल्पना–तत्व एवं सीमाएं। शक्ति प्रबंधन–शक्ति संतुलन। सामूहिक सुरक्षा। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्रीय हित। निःशस्त्रीकरण। परमाणु अप्रसार–सीटीबीटी, एनपीटी।

इकाई 3 क्षेत्रवाद, क्षेत्रीय संगठन। साम्राज्यवाद, नवसाम्राज्यवाद। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में असंलग्नता– आधार, भूमिका महत्व एवं प्रासंगिकता। शीतयुध्द एवं शीतयुध्द की समाप्ति– कारण एवं परिणाम। नई विश्व व्यवस्था।

इकाई 4 उत्तर शीतयुध्दकालीन महत्वपूर्ण मुद्दे–वैश्विकरण, मानवाधिकार, पर्यावरण, आतंकवाद।

इकाई 5 प्रमुख राष्ट्रों की विदेश नीतियॉ– भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, रूस

2 लोक प्र□ ाासन

इकाई 1 **लोकप्र□ ाासन** परिभाषा, प्रकृति क्षेत्र, निजी प्रशासन से अन्तर। अध्ययन के उपागम–व्यवहारिकवादी, तुलनात्मक, निर्णयपरक। विकास–प्रशासन एवं नवीन प्रशासन।

इकाई 2 **संगठन के सिध्दांत**– नियंत्रण का क्षेत्र, पदसोपान, प्रत्यायोजन, समन्वय, केन्द्रीयकरण–विकेन्द्रीयकरण, मुख्य कार्यपालिका– प्रकार एवं भूमिका, सूत्र एवं स्टॉफ अभिकरण, विभागीय संगठन, स्वतंत्र नियामिकीय आयोग, लोग निगम।

इकाई 3 **कार्मिक प्र□ ाासन**भर्ती, पदोन्नति, प्रशिक्षण, सेवानिवृत्ति, संघ लोक सेवा आयोग, नौकरशाही, कार्मिकों की समस्याओं के निवारण की व्यवस्था (भारतीय प्रशासन के विशेष संदर्भ में)

इकाई 4 **वित्तीय प्र□ ाासन**अर्थ प्रकति, विशेषताएं। बजट–सिध्दांत एवं महत्व, भारत में बजट निर्माण प्रक्रिया कार्यपालिका व्यवस्थापिका, न्यायपालिका एवं जनसमूह का प्रशासन पर नियंत्रण।

इकाई 5 **प्र□ ाासकीय उत्तरदायित्व**लोक प्रशासन पर विधायी नियंत्रण, न्यायिक नियंत्रण तथा निष्पादकीय नियंत्रण, लोक प्रशासन में भ्रष्टाचार आम्बुड्समैन, लोकपाल, लोकायुक्त एवं लोक संपर्क।

3 भाोध प्रविधि

इकाई 1 **सामाजिक अनुसंधान**– अर्थ एवं प्रकृति, वैज्ञानिक पध्दति, वैज्ञानिक पध्दति एवं सामाजिक विज्ञानों में उपयुक्तता, सामाजिक विज्ञान में अध्ययन की कठिनाईयां, शोध के चरण।

इकाई 2 **सामाजिक सर्वेक्षण**– उद्देश्य, महत्व, प्रक्रिया, व्यक्तिगत अध्ययन पध्दति, अनुसंधान अभिकल्प, उपकल्पना, तत्वों के प्राथमिक एवं द्वितीयक स्त्रोत।

इकाई 3 **तथ्य संग्रहण के उपकरण एवं प्रविधि**– अवलोकन पध्दति, साक्षात्कार पध्दति, प्रश्नावली एवं अनुसूची प्रश्नावली के प्रकार, गुण–दोष, सीमाएॅ।

इकाई 4 **निर्दे□ ा एवं प्रकार**– सारणीय, प्रतिवेदन लेखन, अनुमापन प्रविधियॉ, अनुसंधान दल, अनुसंधान की समस्याएॅ, प्रक्षेपी प्रविधियॉ।

इकाई 5 राजनीति विज्ञान में सांख्यिकी की उपयोगिता एवं सीमाएॅ–मीन, मोड, मीडियन, कम्प्यूटर का उपयोग एवं संकेतन।

4 प्रमुख भाक्तियों की विदे□ ा नीति एवं भारतीय विदे□ ा नीति

इकाई 1 विदेश नीति– अर्थ एवं निर्धारक तत्व। विदेश नीति के अध्ययन के उपागम। अमेरिका की विदेश नीति।

इकाई 2 ब्रिटेन एवं फ्रांस की विदेश नीति। सोवियत संघ/रूस की विदेश नीति चीन की विदेश नीति।

इकाई 3 जर्मनी एवं जापान की विदेश नीति। भारतीय विदेश नीति– सिध्दांत एवं उद्देश्य।

इकाई 4 भारत की विदेश नीति के आंतरिक निर्धारक– भूगोल, इतिहास, संस्कृति, सामाजिक–आर्थिक एवं राजनीतिक व्यवस्था। बाह्य निर्धारक–वैश्विक, क्षेत्रीय एवं द्विपक्षीय। विदेश नीति निर्माण प्रक्रिया की संरचना। भारतीय विदेश नीति में नैरन्तर्य एवं परिवर्तन।

इकाई 5 भारतीय विदेश नीति– तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में। पड़ौसी देशों के प्रति भारतीय नीति। प्रमुख वैश्विक मुद्दों के प्रति भारतीय दृष्टिकोण–वैश्विकरण, निःशस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियंत्रण, सीमा पार आतंकवाद, पर्यावरण एवं मानव अधिकारों का प्रश्न।

5 अंतर्राश्ट्रीय व्यवस्था में तृतीय वि□ व व मानवाधिकार

इकाई 1 तृतीय विश्व–अवधारणात्मक विश्लेषण, सुरक्षा–दुविधा एवं निःशस्त्रीकरण की सम्भावनायें, विकास की रणनीति एवं मूल्यांकन।

इकाई 2 उत्तर–दक्षिण सम्बन्धों की जटिल निर्भरता–नई अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से विश्वव्यापार संगठन तक। तृतीय विश्व की एकता की समस्याएं, समूह–77, उत्तर शीतयुध्द काल में असंलग्नता।

इकाई 3 वैश्विकरण के संदर्भ में तृतीय विश्व में परिवर्तन एवं चुनौतियॉ। मानव अधिकार की अवधारणा–ऐतिहासिक विकास, मानवाधिकार–एक या अनेक।

इकाई 4 मानवाधिकारों का अन्तर्राष्ट्रीय–अन्तर्सरकारी संस्थात्मक संरचना का विकास, मानवाधिकार एवं संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रावधान, मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा तथा विभिन्न अन्य प्रमुख अभिसमय (कन्वेंशन)।

इकाई 5 मानवाधिकारों का अन्तर्राष्ट्रीय संरक्षण – नागरिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक। सामूहिक अधिकार– आत्म निर्णय का अधिकार, समस्या एवं सम्भावनायें।